पाठ 2

1. मैं यहाँ क्यों आया?

-आपको दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण संदेश बताने के लिए।

2. दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण संदेश किसका संदेश है?

-परमेश्वर का संदेश।

3. परमेश्वर का संदेश दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण संदेश क्यों है?

-क्योंकि केवल परमेश्वर ने कभी झूठ नहीं बोला।

-क्योंकि केवल परमेश्वर ने हमेशा सच कहा है।

4. परमेश्वर का संदेश कहां है?

-परमेश्वर का संदेश परमेश्वर की किताब में है।

5. परमेश्वर की किताब का नाम क्या है?

-परमेश्वर की किताब का नाम बाइबिल है।

6. परमेश्वर का संदेश परमेश्वर की पुस्तक में कैसे आया?

-बहुत समय पहले, परमेश्वर ने कुछ लोगों को चुना, और अपने वचनों को इन लोगों के दिमाग में डाल दिया।

-फिर, इन लोगों ने परमेश्वर के वचनों को परमेश्वर की पुस्तक में लिखा।

7. क्या इन लोगों ने अपने शब्दों को परमेश्वर की पुस्तक में लिखा था?

-नहीं।

-इन लोगों ने जिन्हें परमेश्वर ने चुना था, उन्होंने परमेश्वर के वचनों को ठीक वैसे ही लिखा जैसे परमेश्वर ने उन्हें बताया था।

8. क्या ये सभी लोग जिन्होंने परमेश्वर के वचन लिखे थे, एक ही समय में जीवित थे?

-नहीं।

9. परमेश्वर के सभी वचनों को लिखने में कितने वर्ष लगे?

-1,600 वर्ष।

10. वे कौन लोग थे जिन्हें परमेश्वर ने अपने वचन लिखने के लिए चुना था?

-जिन लोगों को परमेश्वर ने अपने वचन लिखने के लिए चुना, वे यहूदी और एक यूनानी व्यक्ति थे।

11. इन लोगों ने किस भाषा में परमेश्वर के वचन लिखे?

-यहूदी और ग्रीक भाषाओं में।

12. परमेश्वर की पुस्तक में परमेश्वर के कितने वचन सत्य हैं?

-उन सभी को।

13. परमेश्वर की पुस्तक में परमेश्वर के सभी वचन सत्य क्यों हैं?

-क्योंकि परमेश्वर कभी झूठ नहीं बोलते।

-क्योंकि परमेश्वर केवल सच कहते हैं।

- वे पहले शब्द कौन से हैं जो परमेश्वर ने अपनी पुस्तक में लिखे हैं?

-पहले शब्द जो परमेश्वर ने अपनी पुस्तक में लिखे हैं, ये हैं:

-"शुरुआत में।"

-परमेश्वर के पहले शब्द, "शुरुआत में" क्यों हैं?

-क्योंकि परमेश्वर चाहता है कि हम जानें कि सभी चीजों की शुरुआत हुई थी।

-क्या हम जो कुछ भी देख सकते हैं, क्या उसकी शुरुआत होती है?

-हां।

-क्या वह सब कुछ जो हम नहीं देख सकते, शुरुआत है?

-हां।

- शुरुआत से पहले जीवन कैसा था?

- शुरुआत से पहले, क्या कोई नदियाँ या झीलें थीं?

-नहीं।

- शुरुआत से पहले, क्या कोई पहाड़ या पेड़ थे?

-नहीं।

-शुरुआत से पहले, क्या कोई सूरज, चाँद या तारे थे?

-नहीं।

-शुरुआत से पहले, क्या जानवर या पक्षी थे?

-नहीं।

- शुरुआत से पहले, क्या कोई पृथ्वी या आकाश था?

-नहीं।

-अगर शुरुआत से पहले इनमें से कोई नहीं था, तो क्या आपको लगता है कि शुरुआत से पहले लोग थे?

-नहीं।

-यदि शुरुआत से पहले झीलें, और पेड़, और सूरज, और आकाश, और पृथ्वी नहीं होते, तो क्या लोग जीवित रह पाते?

-नहीं।

-शुरुआत से पहले, गोरे या काले लोग थे?

-नहीं।

- शुरुआत से पहले, क्या आत्माएं थीं?

-नहीं।

-शुरुआत से पहले कुछ भी नहीं था।

-आइए हम फिर से उसकी पुस्तक में परमेश्वर के पहले शब्दों को पढ़ें:

- "शुरुआत में, परमेश्वर।"

-परमेश्वर के पहले शब्द क्या कहते हैं?

-परमेश्वर के पहले शब्द कहते हैं कि शुरुआत से पहले, परमेश्वर अकेले थे।

- शुरुआत से पहले जीवित रहने वाला एकमात्र व्यक्ति कौन था?

-परमेश्वर।

-क्योंकि शुरुआत से पहले केवल परमेश्वर रहते थे, सब कुछ से बड़ा कौन है?

-परमेश्वर।

-ईश्वर नदियों और झीलों से बड़ा है।

-क्यों?

-क्योंकि परमेश्वर अकेले शुरुआत से पहले रहते थे।

-परमेश्वर पहाड़ों और पेड़ों से बड़ा है।

-क्यों?

-क्योंकि परमेश्वर अकेले शुरुआत से पहले रहते थे।

-परमेश्वर सूर्य, चंद्रमा और सितारों से भी बड़ा है।

-क्यों?

-क्योंकि परमेश्वर अकेले शुरुआत से पहले रहते थे।

-परमेश्वर पृथ्वी और आकाश से भी बड़ा है।

-क्यों?

-क्योंकि परमेश्वर अकेले शुरुआत से पहले रहते थे।

-परमेश्वर दुनिया के सभी लोगों से बड़ा है।

-क्यों?

-क्योंकि परमेश्वर अकेले शुरुआत से पहले रहते थे।

-परमेश्वर दुनिया की सभी आत्माओं से बड़ा है।

-क्यों?

-क्योंकि परमेश्वर अकेले शुरुआत से पहले रहते थे।

-चूंकि शुरुआत से पहले अकेले परमेश्वर रहते थे, अकेले हमें शुरुआत के बारे में कौन बता सकता है?

-परमेश्वर।

-लोग हमें शुरुआत के बारे में क्यों नहीं बता पाते?

-क्योंकि अभी तक कोई लोग नहीं थे।

-आत्माएं हमें शुरुआत के बारे में क्यों नहीं बता पा रही हैं?

-क्योंकि अभी तक कोई आत्मा नहीं थी।

-परमेश्वर की शुरुआत कब हुई?

-परमेश्वर की कोई शुरुआत नहीं है।

-परमेश्वर हमेशा रहते हैं।

-परमेश्वर शाश्वत है।

-कुछ लोग सोचते हैं कि किसी ने परमेश्वर को जन्म दिया है।

-क्या किसी ने परमेश्वर को जन्म दिया?

-नहीं।

-परमेश्वर बस शाश्वत है।

-कुछ लोग सोचते हैं कि परमेश्वर ने खुद को जन्म दिया है।

-क्या परमेश्वर ने परमेश्वर को जन्म दिया?

-नहीं।

-परमेश्वर बस शाश्वत है।

-कुछ लोग सोचते हैं कि किसी ने परमेश्वर को बनाया है।

-क्या किसी ने परमेश्वर बनाया?

-नहीं।

-परमेश्वर बस शाश्वत है।

-कुछ लोग सोचते हैं कि परमेश्वर ने खुद को बनाया है।

-क्या परमेश्वर ने परमेश्वर बनाया?

-नहीं।

-परमेश्वर बस शाश्वत है।

-क्या कभी ऐसा समय था जब परमेश्वर नहीं थे?

-नहीं।

-परमेश्वर हमेशा जीवित रहे हैं।

-परमेश्वर हमेशा जीवित रहेंगे।

-परमेश्वर हमेशा अस्तित्व में रहा है।

-ऐसा कोई समय नहीं था जब परमेश्वर नहीं थे।

-परमेश्वर कभी नहीं मर सकते।

-परमेश्वर कभी भूखे नहीं रह सकते।

-परमेश्वर कभी प्यासे नहीं हो सकते।

-लोगों को जीने के लिए भोजन और पानी की आवश्यकता होती है। परमेश्वर को जीने के लिए क्या चाहिए?

-परमेश्वर को जीने के लिए किसी चीज की जरूरत नहीं है।

-परमेश्वर कैसे रहते हैं?

- अपनी शक्ति से।

-परमेश्वर को चलने के लिए पृथ्वी की आवश्यकता क्यों नहीं है?

-क्योंकि परमेश्वर अपनी शक्ति से जीते हैं।

-परमेश्वर को देखने के लिए सूर्य की आवश्यकता क्यों नहीं है?

-क्योंकि परमेश्वर अपनी शक्ति से जीते हैं।

-परमेश्वर को खाने के लिए भोजन की आवश्यकता क्यों नहीं है?

-क्योंकि परमेश्वर अपनी शक्ति से जीते हैं।

-परमेश्वर को पीने के लिए पानी की आवश्यकता क्यों नहीं है?

-क्योंकि परमेश्वर अपनी शक्ति से जीते हैं।

-क्या आप धरती या सूरज के बिना रह सकते हैं?

-नहीं, लेकिन परमेश्वर कर सकते हैं।

-क्या आप बिना भोजन या पानी के रह सकते हैं?

-नहीं, लेकिन परमेश्वर कर सकते हैं।

-परमेश्वर लोगों की तरह नहीं है।

-परमेश्वर जानवरों की तरह नहीं है।

-परमेश्वर आत्माओं की तरह नहीं है।

-क्योंकि शुरुआत से पहले अकेले परमेश्वर रहते थे, परमेश्वर को किसी चीज की जरूरत नहीं है।

-सूर्य, चंद्रमा और सितारों से बड़ा कौन है?

-परमेश्वर।

-आकाश और पृथ्वी से बड़ा कौन है?

-परमेश्वर।

-सभी लोगों और सभी आत्माओं से बड़ा कौन है?

-परमेश्वर।

-परमेश्वर से बड़ी कोई चीज नहीं है।

-परमेश्वर से बड़ा कोई नहीं है।